चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 28 सितंबर 2026, अंक –367.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

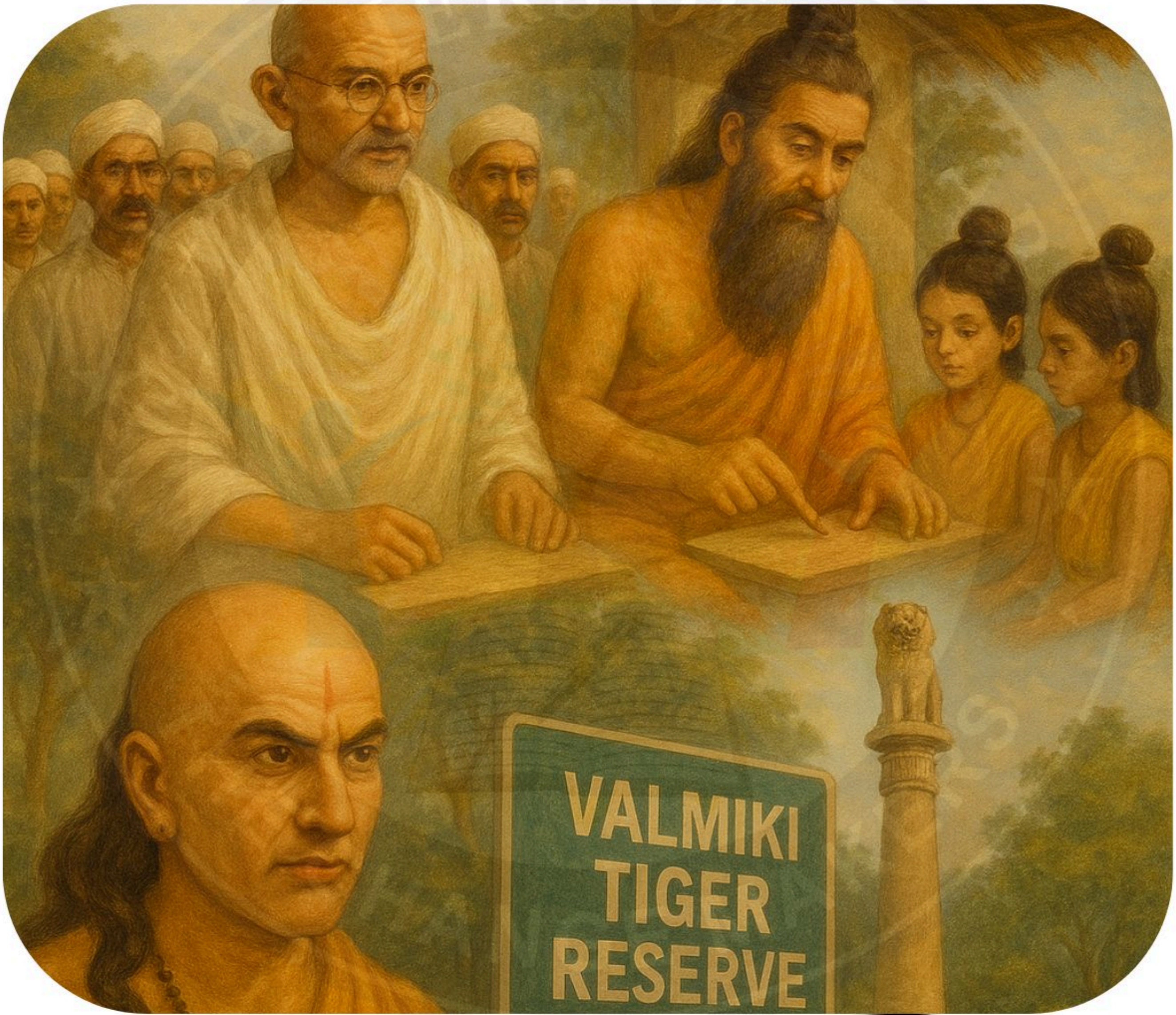

"पाप से घृणा करो, पापी से नहीं।" — महात्मा गांधी

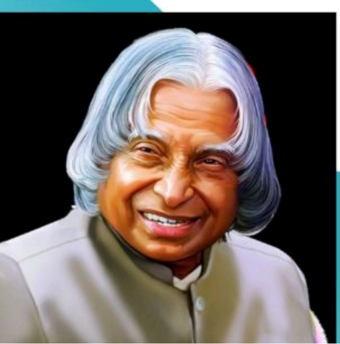

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा...

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. लातविया की राजधानी क्या है?
उत्तर: रीगा
प्रश्न 2. भारत में पहली बार व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक किसने जीता था?
उत्तर: अभिनव बिंद्रा
प्रश्न 3. 'गोटिपुआ' किस राज्य की प्रसिद्ध पारंपरिक नृत्य-परंपरा है?
उत्तर: ओडिशा
प्रश्न 4. अरहर की दाल 130 रुपए किलो है, तो 100 ग्राम दाल का मूल्य कितना होगा ?
उत्तर: 13 रुपए।
प्रश्न 5. बिहार का 'अजगैबीनाथ मंदिर' किस जिले में स्थित है?
उत्तर: भागलपुर
प्रश्न 6. कौन-सा जलीय स्तनधारी अपने बच्चे को दूध पिलाता है?
उत्तर: डॉल्फिन
प्रश्न 7. टेलीग्राफ के व्यावहारिक विकास से किस आविष्कारक का नाम प्रमुख रूप से जुड़ा है?
उत्तर: सैमुअल मोर्स
प्रश्न 8. भारत के संविधान में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा किस अनुच्छेद के अंतर्गत की जाती है?
उत्तर: अनुच्छेद 352
प्रश्न 9. 'जो देखने में बहुत सुंदर हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: दर्शनीय
प्रश्न 10. नमक मिले पानी से नमक प्राप्त करने के लिए पानी को हटाने की कौन-सी विधि उपयोगी है?
उत्तर: वाष्पीकरण

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ Mountain - माउंटेन - पर्वत
2️⃣ Valley - वैली - घाटी
3️⃣ Riverbank - रिवरबैंक - नदी का किनारा
4️⃣ Waterfall - वॉटरफॉल - झरना / जलप्रपात
5️⃣ Stream - स्ट्रीम - छोटी नदी / जलधारा
6️⃣ Pond - पॉन्ड - तालाब
7️⃣ Lake - लेक - झील

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: “What am I going to + V1?”
(मैं ... क्या करने वाला/वाली हूँ?)
मैं आज क्या करने वाला/वाली हूँ? – What am I going to do today?
मैं नाश्ते में क्या खाने वाला/वाली हूँ? – What am I going to eat for breakfast?
मैं अपने मित्र को क्या देने वाला/वाली हूँ? – What am I going to give my friend?
मैं कक्षा में क्या पढ़ने वाला/वाली हूँ? – What am I going to study in the class?
मैं आज शाम को क्या बनाने वाला/वाली हूँ? – What am I going to make this evening?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

प्र.1. प्रतिवर्ष 28 सितंबर को 'रेबीज' के प्रथम प्रभावी टीके के आविष्कारक लुई पाश्चर की पुण्यतिथि के सम्मान में कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: विश्व रेबीज दिवस (World Rabies Day)
व्याख्या: 28 सितंबर को प्रतिवर्ष वैश्विक स्तर पर 'विश्व रेबीज दिवस' (World Rabies Day) मनाया जाता है। यह दिवस फ्रांसीसी सूक्ष्मजीवविज्ञानी लुई पाश्चर की पुण्यतिथि (28 सितंबर 1895) की स्मृति में समर्पित है, जिन्होंने सर्वप्रथम रेबीज के टीके की खोज की थी। इसका मुख्य उद्देश्य रेबीज के संचरण, पागल या संदिग्ध पशुओं (विशेषकर कुत्ते, बिल्ली, बंदर) के काटने पर तत्काल घाव धोने तथा पोस्ट-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस (PEP) टीकाकरण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 'Zero by 30' वैश्विक रणनीति के तहत वर्ष 2030 तक श्वानों से होने वाले मानव रेबीज को पूर्णतः समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।
संदर्भ: World Health Organization (WHO) Rabies Strategy; Global Alliance for Rabies Control (GARC);

प्र.2. सितंबर 2026 में भारत के 'राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन' के अंतर्गत लंबी दूरी की भारी माल ढुलाई और सार्वजनिक परिवहन हेतु किस स्वदेशी ईंधन-सेल इंजन प्रणाली का व्यापक परीक्षण पूरा किया गया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: हाइड्रोजन फ्यूल-सेल ट्रैक्शन सिस्टम
व्याख्या: सितंबर 2026 में भारतीय रेल और भारी उद्योग मंत्रालय के समन्वय से हाइड्रोजन से संचालित होने वाली पहली स्वदेशी कम्यूटर एवं फ्रेट ट्रेन के उन्नत परीक्षण पूरे किए गए। इस प्रणाली में हाइड्रोजन और वायुमंडलीय ऑक्सीजन की इलेक्ट्रो-केमिकल अभिक्रिया से बिजली उत्पन्न होती है, जिसका एकमात्र सह-उत्पाद शुद्ध जलवाष्प (Water Vapour) होता है। यह तकनीक कार्बन उत्सर्जन को पूरी तरह शून्य करती है तथा डीजल इंजनों के स्थान पर हरित ऊर्जा आधारित स्वच्छ परिवहन का मार्ग प्रशस्त करती है। यह भारत के 2070 के 'नेट-ज़ीरो' लक्ष्य को प्राप्त करने में मील का पत्थर है।
संदर्भ: Ministry of Railways Press Release September 2026;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध हिंदी उपन्यास है, जिसमें स्वाधीनता-पूर्व भारत में किसानों के असंतोष, जमींदारी व्यवस्था के उत्पीड़न और 'विनय' तथा 'सोफिया' के आदर्श प्रेम व त्याग की कथा कही गई है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: रंगभूमि (1925)
व्याख्या: 'रंगभूमि' (1925) मुंशी प्रेमचंद की अमर कृतियों में से एक वृहद सामाजिक-राजनीतिक उपन्यास है। इसमें एक ओर जहाँ अंधे भिखारी सूरदास के आत्मसम्मान और सत्याग्रह की प्रेरक कथा है, वहीं दूसरी ओर कुलीन नायक विनय सिंह और ईसाई युवती सोफिया के निःस्वार्थ प्रेम, त्याग और राष्ट्रीय आंदोलन के प्रति समर्पण का विस्तृत आख्यान है। प्रेमचंद ने इसमें सामंती सोच, पूँजीवादी विस्तार और ब्रिटिश नौकरशाही के गठबंधन द्वारा आम किसानों व दस्तकारों के शोषण का अत्यंत प्रामाणिक चित्र प्रस्तुत किया है। यह उपन्यास भारतीय समाज के विभिन्न वर्गों के जागरण का महाकाव्यात्मक दस्तावेज़ है।
संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — 'रंगभूमि', हंस प्रकाशन/राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 12 (अंतरा भाग-2 संदर्भ);

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में पोषक तत्वों (जैसे कार्बन, नाइट्रोजन, फॉस्फोरस) के जैविक घटकों (सजीवों) और अजैविक घटकों (वायु, जल, मृदा) के मध्य होने वाले चक्रीय संचरण को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: जैव-भू-रासायनिक चक्र (Biogeochemical Cycles)
व्याख्या: किसी पारिस्थितिक तंत्र में जीवन को निरंतर बनाए रखने के लिए पोषक तत्वों की सतत आपूर्ति अनिवार्य होती है। पोषक तत्व कभी भी नष्ट नहीं होते, बल्कि वे पारिस्थितिक तंत्र के विभिन्न घटकों के बीच बार-बार पुनर्चक्रित होते रहते हैं। इस प्रक्रिया को 'जैव-भू-रासायनिक चक्र' (Biogeochemical Cycle) या 'पोषक चक्र' (Nutrient Cycling) कहते हैं। ये मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं: (1) गैसीय चक्र (जैसे नाइट्रोजन और कार्बन चक्र), जिनका मुख्य भंडार वायुमंडल अथवा जलमंडल होता है; (2) अवसादी चक्र (जैसे फॉस्फोरस और सल्फर चक्र), जिनका मुख्य भंडार पृथ्वी की भूपर्पटी (चट्टानें व मृदा) होता है।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecosystem), p. 265–268;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान असम में अहोम राजवंश के किस देशभक्त दीवान ने ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह की योजना बनाई थी, जिसके कारण उन्हें फांसी दी गई थी? (इतिहास)
उत्तर: मनीराम दीवान (मनीराम बरभंडार बरुआ)
व्याख्या: मनीराम दीवान (1806–1858) असम के एक प्रमुख देशभक्त, प्रारंभिक चाय उद्यमी और अहोम राजदरबार के प्रभावशाली दीवान थे। 1857 के राष्ट्रीय विद्रोह की ज्वाला जब उत्तर भारत में भड़की, तो मनीराम दीवान ने कलकत्ता में रहते हुए गुप्त रूप से अहोम राजकुमार कंदर्पेश्वर सिंह को राजा बनाकर असम से ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन को समाप्त करने का षड्यंत्र रचा। ब्रिटिश गुप्तचरों द्वारा उनके विद्रोही पत्र पकड़े जाने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और 26 फरवरी 1858 को जोरहाट में सार्वजनिक रूप से फांसी दे दी गई। वे पूर्वोत्तर भारत में 1857 के अमर नायक माने जाते हैं।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55–58;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. पश्चिमी घाट के पर्वत-स्कंधों में महाराष्ट्र और कर्नाटक के पश्चिमी ढलानों पर स्थित वह कौन-सा प्रसिद्ध दर्रा (Pass) है, जो मुंबई को पुणे और दक्षिण भारत के शहरों से सड़क व रेल मार्ग द्वारा जोड़ता है? (भूगोल)

उत्तर: भोर घाट (Bhor Ghat)

व्याख्या: भोर घाट पश्चिमी घाट (सह्याद्रि) पर्वत श्रेणी में महाराष्ट्र राज्य के खंडाला और कर्जत के मध्य स्थित एक प्रमुख पहाड़ी दर्रा है। यह समुद्र तल से लगभग 399 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह दर्रा दक्कन के पठार को कोंकण के तटीय मैदान से जोड़ता है। रणनीतिक और आर्थिक रूप से यह अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि मुंबई से पुणे, बेंगलुरु और चेन्नई को जोड़ने वाला मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग (मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे) तथा मध्य रेलवे का मुख्य रेल मार्ग इसी कठिन पर्वतीय दर्रे की घुमावदार सुरंगों से होकर गुजरता है। पश्चिमी घाट का एक अन्य प्रमुख दर्रा 'थाल घाट' है जो मुंबई को नासिक से जोड़ता है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 2 "भारत का भौतिक स्वरूप", p. 12–14;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य की लोक सेवाओं में पिछड़े हुए नागरिकों के किसी वर्ग के लिए, जिनका राज्य के अधीन सेवाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है, पदों के आरक्षण का प्रावधान करता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 16(4) (Article 16(4))

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-III में प्रदत्त 'अवसर की समता' के मौलिक अधिकार के अंतर्गत अनुच्छेद 16(4) एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपबंध है। यह राज्य को यह अधिकार देता है कि वह किसी ऐसे पिछड़े वर्ग (OBC/SC/ST) के पक्ष में, जिसका प्रतिनिधित्व राज्य की राय में लोक सेवाओं में पर्याप्त नहीं है, नियुक्तियों या पदों के आरक्षण के लिए विशेष प्रावधान कर सकता है। इसी अनुच्छेद के आधार पर द्वितीय पिछड़ा वर्ग आयोग (मंडल आयोग) की अनुशंसाओं को स्वीकार कर केंद्र सरकार की सेवाओं में अन्य पिछड़े वर्गों (OBC) को 27% आरक्षण प्रदान किया गया, जिसे उच्चतम न्यायालय ने 'इंदिरा साहनी वाद' (1992) में संवैधानिक रूप से वैध ठहराया।

संदर्भ: Constitution of India, Part III, Article 16(4); NCERT Political Science Class 11 (भारत का

प्र.8. किसी लेंस या गोलीय दर्पण के मुख्य अक्ष के समानांतर आने वाली प्रकाश किरणें परावर्तन या अपवर्तन के पश्चात मुख्य अक्ष के जिस बिंदु पर वास्तव में मिलती हैं या मिलती हुई प्रतीत होती हैं, उस बिंदु को क्या कहते हैं? (विज्ञान)

उत्तर: मुख्य फोकस (Principal Focus / F)

व्याख्या: गोलीय दर्पणों (अवतल एवं उत्तल) तथा लेंसों में मुख्य अक्ष के समानांतर आपतित होने वाली प्रकाश किरणें परावर्तन या अपवर्तन के नियमों का पालन करने के बाद मुख्य अक्ष पर स्थित एक बिंदु से या तो वास्तव में अभिसरित (कन्वर्ज) होती हैं या उस बिंदु से अपसारित (डायवर्ज) होती हुई प्रतीत होती हैं। इस विशिष्ट बिंदु को दर्पण या लेंस का 'मुख्य फोकस' (Principal Focus) कहा जाता है। इसे अंग्रेजी के बड़े अक्षर 'F' से निरूपित किया जाता है। दर्पण के ध्रुव (या लेंस के प्रकाशिक केंद्र) से मुख्य फोकस तक की दूरी को 'फोकस दूरी' (f) कहते हैं, जो वक्रता त्रिज्या (R) की ठीक आधी होती है (f = R / 2)।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 177–181 एवं 190–195;

प्र.9. 11वीं शताब्दी के आरंभ में राजा चामुंडराय द्वारा कर्नाटक के हासन जिले में श्रवणबेलगोला की विंध्यगिरि पहाड़ी पर स्थापित 57 फीट ऊंची जैन तीर्थंकर बाहुबली की एकाश्म प्रतिमा कौन-सी है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: गोमटेश्वर प्रतिमा (श्रवणबेलगोला)

व्याख्या: श्रवणबेलगोला (कर्नाटक) में स्थित भगवान बाहुबली की 'गोमटेश्वर प्रतिमा' विश्व की सबसे विशाल एकाश्म (एक ही पत्थर को तराशकर बनाई गई) पाषाण प्रतिमाओं में से एक है। इसकी ऊंचाई लगभग 57 फीट (17.5 मीटर) है। इसका निर्माण 983 ईस्वी में गंग राजवंश के प्रतापी सेनापति और मंत्री चामुंडराय ने करवाया था। यह प्रतिमा प्रथम जैन तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के पुत्र बाहुबली (कामदेव) की पूर्ण कायोत्सर्ग (खड़े होकर ध्यानस्थ) मुद्रा को दर्शाती है। प्रतिमा के पैरों के पास लताएं और सर्प उकेरे गए हैं जो उनकी घोर और अडिग तपस्या के प्रतीक हैं। यहाँ प्रत्येक 12 वर्ष में विशाल 'महामस्तकाभिषेक' महोत्सव आयोजित किया जाता है।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला संदर्भ"; Archaeological Survey of India (ASI) Bengaluru Circle;

प्र.10. 1928 में बिहार छात्र सम्मेलन के मोतिहारी अधिवेशन में बिहार के युवाओं को संगठित करने और राष्ट्रवादी क्रांति की अलख जगाने हेतु 'बिहार नौजवान भारत सभा' का गठन किसकी अध्यक्षता में हुआ था? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: प्रो. ज्ञान साहा (अध्यक्षता में)

व्याख्या: सरदार भगत सिंह द्वारा 1926 में पंजाब में स्थापित 'नौजवान भारत सभा' की तर्ज पर बिहार में भी क्रांतिकारी राष्ट्रवादी चेतना के प्रसार हेतु 1928 में 'बिहार नौजवान भारत सभा' की स्थापना की गई थी। इसका औपचारिक गठन 1928 में मोतिहारी (चंपारण) में आयोजित 'बिहार प्रांतीय छात्र सम्मेलन' के अवसर पर हुआ, जिसकी अध्यक्षता प्रोफेसर ज्ञान साहा ने की थी। इस संगठन ने युवाओं, छात्रों और बुद्धिजीवियों को औपनिवेशिक दासता, सांप्रदायिकता और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूक किया। इसके अग्रणी सदस्यों में रामवृक्ष बेनीपुरी, गंगाशरण सिंह और अंबिका कांत सिंह शामिल थे, जिन्होंने आगे चलकर 1930 के नमक सत्याग्रह में मुख्य भूमिका निभाई।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle Module;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W4 – नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव) के अनुसार यदि बाढ़ या सामान्य दिनों में कोई यात्री नदी पार करते समय नाव से गहरे पानी में गिर जाए, तो उसे डूबने से बचाने हेतु किनारे से किस 'घरेलू/देसी फ्लोटिंग वस्तु' का उपयोग करना चाहिए और पानी के भंवर (Whirlpool) में फंसने पर क्या सावधानी रखनी चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: रस्सी से बंधा प्लास्टिक गैलन/हवा भरा ट्यूब फेंकना; भंवर के बीच ऊपर तैरने की जगह नीचे गोता लगाकर किनारे निकलना

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W4: नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी) के अनुसार, जल-सुरक्षा प्रोटोकॉल के दो बिंदु अत्यंत महत्वपूर्ण हैं: (1) आपातकालीन देशी बचाव उपकरण – जब कोई व्यक्ति नाव से गिरकर डूब रहा हो, तो अनाड़ी तैराक को सीधे पानी में नहीं कूदना चाहिए; किनारे या नाव पर मौजूद लोगों को तुरंत एक लंबी रस्सी से बंधा 5-10 लीटर का खाली व ढक्कन बंद प्लास्टिक गैलन, सूखा नारियल, या हवा भरा मोटरसाइकिल ट्यूब उसकी ओर फेंकना चाहिए ताकि वह उसे पकड़कर तैरता रहे; (2) नदी के भंवर (Whirlpool) से बचाव – यदि कोई व्यक्ति नदी के पानी के भंवर में फंस जाए, तो भंवर के केंद्र में ऊपर की ओर संघर्ष करने से ऊर्जा नष्ट होती है और भंवर व्यक्ति को नीचे खींचता है; इसके विपरीत शांत रहकर सांस रोकें, भंवर के साथ नीचे की ओर जाएं और पेंदे के पास पहुँचते ही पानी के तिरछे बहाव के साथ तेजी से बाहर की ओर तैरकर सतह पर आएं।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module September W4 – नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी";

प्र.12. 12 व्यक्ति किसी कार्य को 8 दिनों में पूरा कर सकते हैं। यदि 3 दिन कार्य करने के पश्चात 4 व्यक्ति कार्य छोड़कर चले जाते हैं, तो शेष कार्य को पूरा करने में बचे हुए व्यक्तियों को कितने अतिरिक्त दिन लगेंगे? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 7.5 दिन (7 दिन 12 घंटे)

व्याख्या: यह 'समय एवं कार्य' पर आधारित एक मानक, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण अंकगणितीय प्रश्न है।
कुल कार्य = व्यक्तियों की संख्या * कुल दिन = 12 * 8 = 96 इकाई कार्य।, 12 व्यक्तियों द्वारा 3 दिनों में किया गया कार्य = 12 * 3 = 36 इकाई कार्य।, शेष बचा हुआ कार्य = 96 - 36 = 60 इकाई कार्य।, अब 4 व्यक्ति कार्य छोड़कर चले जाते हैं, अतः बचे हुए व्यक्तियों की संख्या = 12 - 4 = 8 व्यक्ति।, 8 व्यक्तियों द्वारा शेष 60 इकाई कार्य को पूरा करने में लगा समय = शेष कार्य / व्यक्तियों की संख्या, समय = 60 / 8 = 7.5 दिन (अर्थात 7 दिन और आधा दिन / 12 घंटे)।
अतः शेष कार्य को पूरा करने में बचे हुए व्यक्तियों को 7.5 दिन का समय लगेगा।, (वैकल्पिक सूत्र: M1 * D1 = M2 * D2 => 12 व्यक्तियों के लिए शेष काम के दिन = 8 - 3 = 5 दिन; अतः 12 * 5 = 8 * D2 => 60 = 8 * D2 => D2 = 60 / 8 = 7.5 दिन)।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 13 "प्रत्यक्ष और प्रतिलोम समानुपात", p. 208–214;

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

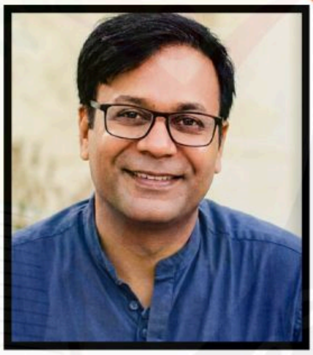

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Cognizant (कॉग्निज़न्ट) = Aware (अवेयर) = अवगत / जागरूक / परिचित
   Antonym – Unaware (अनअवेयर) = अनजान / अनभिज्ञ
2. Extol (एक्सटोल) = Praise (प्रेज़) = प्रशंसा करना / खूब सराहना करना
   Antonym – Condemn (कन्डेम) = निंदा करना / दोषी ठहराना
3. Scrutinize (स्क्रूटिनाइज़) = Examine (इग्ज़ैमिन) = बारीकी से जाँचना / गहन परीक्षण करना
   Antonym – Overlook (ओवरलुक) = अनदेखा करना
4. Timorous (टिमरस) = Fearful (फियरफुल) = भयभीत / डरपोक
   Antonym – Bold (बोल्ड) = साहसी / निडर
5. Zealous (ज़ेलस) = Enthusiastic (एन्थूज़ियास्टिक) = उत्साही / जोशीला / अत्यंत समर्पित
   Antonym – Apathetic (ऐपथेटिक) = उदासीन / बेपरवाह

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government approves one-time interest-free loan of ₹50,000 per barn for FCV tobacco growers in Andhra Pradesh, Telangana, Karnataka

हिन्दी अनुवाद: सरकार ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक में FCV तंबाकू किसानों के लिए प्रति बार्न 50,000 रुपये के एकमुश्त ब्याज मुक्त ऋण को मंजूरी दी।�
केंद्र सरकार ने फ्लू-क्योर्ड वर्जिन (FCV) तंबाकू किसानों के लिए एकमुश्त ब्याज मुक्त ऋण योजना को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत प्रति बार्न 50,000 रुपये की दर से किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। यह पहल तंबाकू किसानों की आय में सुधार और निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करेगी। UPSC/BPSC के लिए: FCV Tobacco — फ्लू-क्योर्ड वर्जिन तंबाकू; Interest-free loan — ब्याज मुक्त ऋण; Agricultural credit — कृषि ऋण।

DDU-GKY 2.0: 70,000 rural youth to begin skill training from October across 24 States/UTs

हिन्दी अनुवाद: DDU-GKY 2.0: 70,000 ग्रामीण युवा अक्टूबर से 24 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में कौशल प्रशिक्षण शुरू करेंगे।�
ग्रामीण विकास मंत्रालय ने बताया कि Deen Dayal Upadhyaya Grameen Kaushalya Yojana (DDU-GKY) 2.0 के तहत अक्टूबर 2026 से 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग 70,000 ग्रामीण युवा कौशल प्रशिक्षण शुरू करेंगे। यह योजना रोजगार योग्य कौशल विकास पर केंद्रित है। UPSC/BPSC के लिए: DDU-GKY — दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना; Ministry of Rural Development — ग्रामीण विकास मंत्रालय; Skill India — कौशल भारत।

Education Minister Pralhad Joshi launches six-month Certificate (Bridge) Course in Primary Teacher Education; aims to improve teaching quality

हिन्दी अनुवाद: शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने प्राथमिक शिक्षक शिक्षा में छह महीने का सर्टिफिकेट (ब्रिज) कोर्स शुरू किया; शिक्षा गुणवत्ता में सुधार का लक्ष्य।�
केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने प्राथमिक शिक्षक शिक्षा में छह महीने का सर्टिफिकेट (ब्रिज) कोर्स लॉन्च किया। यह कोर्स शिक्षण गुणवत्ता में सुधार और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा। UPSC/BPSC के लिए: NEP 2020 — राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020; NCTE — राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद; Teacher education — शिक्षक शिक्षा।

INTERNATIONAL NEWS

Trump reportedly rejects Iran's 7-day ceasefire proposal; expects to resume bombing after November midterms

हिन्दी अनुवाद: ट्रम्प ने कथित तौर पर ईरान के 7-दिन के युद्धविराम प्रस्ताव को खारिज किया; नवंबर के मध्यवधि चुनाव के बाद बमबारी फिर से शुरू करने की उम्मीद।
�
वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के 7-दिन के युद्धविराम और होर्मुज़ जलडमरूमध्य खोलने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ट्रम्प ने सलाहकारों से कहा कि वे नवंबर के मध्यवधि चुनाव के बाद ईरान पर बमबारी फिर से शुरू करने की उम्मीद करते हैं। ईरान ने प्रस्ताव रखा था कि वह होर्मुज़ को सात दिनों में खोलेगा और परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता फिर से शुरू करेगा यदि US नौसैनिक नाकाबंदी हटाता है। UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; US midterms — अमेरिकी मध्यवधि चुनाव; JCPOA — 2015 का ईरान परमाणु समझौता।

Iran President Pezeshkian says Tehran willing to dilute 60% enriched uranium stockpile; calls for return to June MoU

हिन्दी अनुवाद: ईरान के राष्ट्रपति पेज़ेशकियन ने कहा कि तेहरान 60% समृद्ध यूरेनियम स्टॉक को कम करने के लिए तैयार; जून MoU पर वापसी का आह्वान।�
ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने CBS News को बताया कि तेहरान 60% समृद्ध यूरेनियम के अपने स्टॉक को कम करने और अपने परमाणु कार्यक्रम के अंतरराष्ट्रीय सत्यापन की अनुमति देने के लिए तैयार है। उन्होंने वॉशिंगटन से जून के समझौता ज्ञापन (MoU) पर वापसी का आह्वान किया। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने दावों को खारिज किया कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने के करीब है। UPSC/BPSC के लिए: Uranium enrichment — यूरेनियम समृद्धि; IAEA — अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी; NPT — परमाणु अप्रसार संधि।

Oman, Kuwait foreign ministers meet at UNGA; discuss mending regional relations, Middle East developments

हिन्दी अनुवाद: ओमान, कुवैत के विदेश मंत्रियों ने UNGA में मुलाकात की; क्षेत्रीय संबंध सुधारने, मध्य पूर्व घटनाओं पर चर्चा की।�
ओमान और कुवैत के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के मार्जिन पर मुलाकात की और तनावग्रस्त क्षेत्रीय संबंधों को सुधारने और मध्य पूर्व एवं खाड़ी मेंlatest घटनाओं पर चर्चा की। कुवैत ने ईरान पर होर्मुज़ जलडमरूमध्य को 'सौदेबाजी चिप' के रूप में उपयोग करने का आरोप लगाया। UPSC/BPSC के लिए: UNGA — संयुक्त राष्ट्र महासभा; GCC — खाड़ी सहयोग परिषद; Gulf diplomacy — खाड़ी कूटनीति।

BIHAR NEWS

Bihar floods: 49.72 lakh affected across 15 districts; water levels receding in Ganga, Gandak but Kosi still above danger mark
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: 15 जिलों में 49.72 लाख प्रभावित; गंगा, गंडक में जलस्तर घट रहा है लेकिन कोसी अभी भी खतरे के निशान से ऊपर।�
बिहार में बाढ़ की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। गंगा और गंडक नदियों में जलस्तर घटने लगा है, लेकिन कोसी नदी बालतारा और कुरसेला में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। 15 जिलों, 88 ब्लॉकों और 576 ग्राम पंचायतों में लगभग 49.72 लाख लोग प्रभावित हैं। 50 सामुदायिक रसोई ने लगभग 195.63 लाख भोजन परोसे हैं। UPSC/BPSC के लिए: CWC – केंद्रीय जल आयोग; HFL – Highest Flood Level; Flood management – बाढ़ प्रबंधन।

Bihar received 28% below normal rainfall from June to September; erratic monsoon compounds farmers' woes
हिन्दी अनुवाद: बिहार को जून से सितंबर तक 28% कम वर्षा मिली; अनियमानसून ने किसानों की परेशानी बढ़ाई।�
आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार बिहार को 1 जून से 21 सितंबर तक 658.2 मिमी वर्षा मिली है जो सामान्य 899.4 मिमी से 28% कम है। अनियमानसून पैटर्न ने किसानों की परेशानी बढ़ाई है। कृषि अधिकारी फसल क्षति का आकलन कर रहे हैं और सिंचाई के लिए डीजल सब्सिडी वितरित कर रहे हैं। UPSC/BPSC के लिए: IMD – भारतीय मौसम विज्ञान विभाग; Monsoon deficit – मानसून कमी; Agricultural distress – कृषि संकट।

SPORTS NEWS

Asian Games 2026: India wins double gold in kabaddi (men's and women's); total medal tally reaches 27 (3 gold, 11 silver, 13 bronze)
हिन्दी अनुवाद: एशियाई खेल 2026: भारत ने कबड्डी में डबल स्वर्ण जीता (पुरुष और महिला); कुल पदक tally 27 पहुंची (3 स्वर्ण, 11 रजत, 13 कांस्य)।�
भारत ने एशियाई खेल 2026 में कबड्डी में डबल स्वर्ण पदक जीता। महिला टीम ने फाइनल में ईरान को 37-34 से हराया, जबकि पुरुष टीम ने भी स्वर्ण जीता। यह भारत का एशियाई खेलों में कबड्डी में लगातार सफलता है। भारत का कुल पदक tally अब 27 है – 3 स्वर्ण, 11 रजत और 13 कांस्य। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games – एशियाई खेल, चार साल में एक बार; Kabaddi – कबड्डी; International Kabaddi Federation – अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ।

Shooting: India wins silver in women's 50m rifle 3 positions team; Tilottama Sen, Vidarsa Vinod, Ashi Chouksey finish with 1763 pts
हिन्दी अनुवाद: शूटिंग: भारत ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम में रजत जीता; तिलोत्तमा सेन, विदारसा विनोद, अशि चौकसे ने 1763 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।�
भारतीय महिला शूटिंग टीम ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम फाइनल में रजत पदक जीता। तिलोत्तमा सेन, विदारसा के विनोद और अशि चौकसे ने 1763 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। UPSC/BPSC के लिए: ISSF – अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट्स महासंघ; 50m Rifle 3 Positions – 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन; Asian Games – एशियाई खेल।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

आज का विचार:

मन में उठने वाले विचारों पर पहरा दीजिए। जब किसी चीज़ के प्रति अंधी ज़िद या गुस्सा उठने लगे, तो वहीं ठहर जाइए; क्योंकि विचार ही बीज हैं जो आगे चलकर आचरण और भविष्य का निर्माण करते हैं।

प्रेरक प्रसंग

जाते समय का आदर

एक बार एक प्रसिद्ध चित्रकार सम्राट नेपोलियन से मिलने उनके पास पहुँचा। चित्रकार के कपड़े साधारण और मैले-कुचैले थे। उसके पहनावे को देखकर नेपोलियन ने उसे अधिक महत्व नहीं दिया और उसे अपने से कुछ दूर बैठने का आदेश दिया।

बातचीत शुरू हुई तो धीरे-धीरे नेपोलियन को पता चला कि सामने बैठा व्यक्ति कोई साधारण आदमी नहीं, बल्कि बहुत कुशल और प्रतिभाशाली चित्रकार है। उसकी कला और योग्यता से प्रभावित होकर सम्राट के व्यवहार में अचानक परिवर्तन आ गया।

जब चित्रकार वहाँ से जाने लगा, तो नेपोलियन स्वयं उठे, उससे हाथ मिलाया और उसे सम्मानपूर्वक द्वार तक छोड़ने भी गए।

चित्रकार को यह देखकर आश्चर्य हुआ। उसने मुस्कराकर पूछा,

“महाराज, जब मैं आपके पास आया था, तब आपने मुझे अपने पास बैठने तक का अवसर नहीं दिया। लेकिन अब जाते समय आप स्वयं मुझे द्वार तक छोड़ने आए हैं। इसका कारण क्या है?”

नेपोलियन ने मुस्कराते हुए कहा,

“जब तुम आए थे, तब मैंने तुम्हारे वस्त्र देखकर तुम्हारा मूल्य आँका था। लेकिन अब जब तुम जा रहे हो, तब मैं तुम्हारे गुण और प्रतिभा को पहचान चुका हूँ। इसलिए जाते समय मेरा सम्मान तुम्हारे कपड़ों के लिए नहीं, तुम्हारे गुणों के लिए है।”

चित्रकार ने सिर झुका लिया।

सच यही है—किसी व्यक्ति की पहचान उसके कपड़ों, पद या बाहरी रूप से नहीं, बल्कि उसके गुण, व्यवहार और प्रतिभा से होनी चाहिए। बाहरी रूप पहली नजर को प्रभावित कर सकता है, लेकिन व्यक्ति के वास्तविक मूल्य को उसके कर्म ही बताते हैं।

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-7

सोचो... समझो... हल करो...

4	8						7	9
	7							
		6		7				
5	3	2					4	1
				3		7		6
				1	4			
	1			5		9		
	5					4		

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।"

— चाणक्य

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

4	8	5	3	2	6	1	7	9
9	7	1	4	8	5	6	2	3
3	2	6	9	7	1	5	8	4
6	9	7	1	4	8	2	3	5
5	3	2	6	9	7	8	4	1
1	4	8	5	3	2	7	9	6
2	6	9	7	1	4	3	5	8
7	1	4	8	5	3	9	6	2
8	5	3	2	6	9	4	1	7

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

<u>श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 2, श्लोक 62–63</u>

ध्यायतो विषयान्पुंसः सङ्गस्तेषूपजायते।
सङ्गात्सञ्जायते कामः कामात्क्रोधोऽभिजायते॥
क्रोधाद्भवति संमोहः संमोहात्स्मृतिविभ्रमः।
स्मृतिभ्रंशाद् बुद्धिनाशो बुद्धिनाशात्प्रणश्यति॥

सरल हिन्दी अर्थ:

इंद्रियों के विषयों (भौतिक वस्तुओं, आकर्षणों या विचारों) का लगातार चिंतन करने से व्यक्ति का उनमें आसक्ति (लगाव) पैदा हो जाता है। आसक्ति से उन वस्तुओं को पाने की कामना (इच्छा/तृष्णा) जन्म लेती है। कामना में बाधा पड़ने पर क्रोध उत्पन्न होता है। क्रोध से संमोह (विवेकहीनता या अंधापन) पैदा होता है; संमोह से स्मृति (अनुभव, सीख और संस्कारों) का भ्रम हो जाता है। स्मृति के नष्ट होने से बुद्धि (सही-गलत का निर्णय लेने की क्षमता) का नाश हो जाता है, और बुद्धि का नाश होते ही व्यक्ति का पतन हो जाता है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

श्रीकृष्ण यहाँ मानव मन के पतन की पूरी वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया (Psychological Chain Reaction) स्पष्ट करते हैं। कोई भी बड़ा अपराध, जीवन की भारी भूल या व्यक्तिगत पतन एक झटके में नहीं होता; उसकी शुरुआत एक छोटे से अनियंत्रित विचार से होती है।

a. विचार से पतन तक की 8 कड़ियाँ:चिंतन (Overthinking/Fixation): किसी आकर्षक चीज़ या विचार को बार-बार सोचना।
b. आसक्ति (Attachment): उसके प्रति गहरा झुकाव पैदा होना।
c. कामना (Desire/Craving): "यह मुझे हर हाल में चाहिए" की ज़िद।
d. क्रोध (Anger): रुकावट आने पर गुस्सा और बेचैनी।
e. संमोह (Confusion/Delusion): सही और गलत का अंतर भूल जाना।
f. स्मृतिभ्रम (Loss of Values): अपने नियम, संस्कार और नैतिक सीमाएँ भूलना।
g. बुद्धिनाश (Loss of Reason): तर्क और विवेक का शून्य हो जाना।
h. सर्वनाश (Self-destruction): ऐसा अनुचित निर्णय लेना जो पूरा जीवन या प्रतिष्ठा बर्बाद कर दे।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर
बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेररक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026
बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण ... संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, ... संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

नन्हा बलिदानी: अमर शहीद खुदीराम बोस

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी सोचा है कि जब आपकी उम्र के बच्चे सिर्फ खेल-कूद और खिलौनों के बारे में सोचते हैं, उस कच्ची उम्र में कोई बालक अपने देश के लिए हँसते-हँसते फाँसी के फंदे को गले लगा सकता है? आज हम भारत माँ के एक ऐसे ही सबसे नन्हें, अलबेले और जाँबाज़ सपूत की कहानी सुनेंगे, जिनका नाम भारत के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज है। वे हैं अमर शहीद खुदीराम बोस! खुदीराम का जन्म 3 दिसंबर 1889 को पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर ज़िले के हबीबपुर गाँव में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री त्रैलोक्यनाथ बोस था, जो एक रियासत के तहसीलदार थे, और माता का नाम श्रीमती लक्ष्मीप्रिया देवी था, जो अत्यंत दयालु, संस्कारी और स्नेहमयी महिला थीं।

खुदीराम जब बहुत छोटे थे, तभी एक-एक करके उनके माता और पिता दोनों का साया सिर से उठ गया। अनाथ बालक का लालन-पालन उनकी बड़ी बहन अपरूपा देवी और उनके जीजाजी अमृतलाल जी ने अपने बेटे की तरह बड़े नाज़ों से किया। बंगाली परंपरा के अनुसार, बचपन में बच्चे को बुरी नज़र और अकाल मृत्यु से बचाने के लिए बहन ने उन्हें सांकेतिक रूप से तीन मुट्ठी 'खुद' (धान के बारीक टूटे हुए दाने) देकर खरीदा था, इसलिए उनका नाम 'खुदीराम' पड़ गया। नन्हे खुदीराम बचपन से ही बड़े चंचल, साहसी और निडर स्वभाव के बालक थे। जब वे स्कूल में पढ़ते थे, तब 1905 में अंग्रेज़ों ने 'बंग-भंग' (बंगाल का विभाजन) कर दिया। इस अन्याय को देखकर नन्हे खुदीराम का खून खौल उठा। वे केवल पंद्रह वर्ष की उम्र में अपनी किताबें बस्ते में समेटकर आज़ादी की लड़ाई में कूद पड़े और 'युगांतर' दल से जुड़ गए।

उस ज़माने में मुज़फ़्फ़रपुर (बिहार) का एक अंग्रेज़ जज था, जिसका नाम था डगलस किंग्सफ़ोर्ड। वह भारतीय देशभक्तों और नन्हें बच्चों को बेरहमी से बेंतों से पिटवाने के लिए कुख्यात था। क्रांतिकारियों ने उसे सबक सिखाने की ज़िम्मेदारी खुदीराम बोस और उनके वीर साथी प्रफुल्ल चाकी को सौंपी। दोनों वीर मुज़फ़्फ़रपुर पहुँचे। 30 अप्रैल 1908 की रात जब क्लब से किंग्सफ़ोर्ड की जैसी दिखने वाली बग्घी बाहर निकली, तो खुदीराम और प्रफुल्ल ने उस पर अचूक निशाना साधकर बम फेंक दिया। दुर्भाग्य से उस बग्घी में किंग्सफ़ोर्ड की जगह दो अंग्रेज़ महिलाएँ बैठी थीं, जिनकी मृत्यु हो गई। इसके बाद दोनों साथी अलग-अलग दिशाओं में भागे।

भूखे-प्यासे खुदीराम रात भर नंगे पाँव पच्चीस मील चलकर वैनी रेलवे स्टेशन (जिसे आज 'खुदीराम बोस पूसा स्टेशन' कहा जाता है) पहुँचे। वहाँ सुबह एक हलवाई की दुकान पर पानी पीते समय उन्होंने साथी यात्रियों को घटना की चर्चा करते सुना। खुदीराम के मुँह से अचानक निकल गया, "क्या किंग्सफ़ोर्ड नहीं मरा?" पास खड़े दो सिपाहियों को उन पर शक हो गया और उन्होंने बालक को चारों तरफ से घेरकर पकड़ लिया। जब मुज़फ़्फ़रपुर की अदालत में अंग्रेज़ जज ने उन्हें फाँसी की सज़ा सुनाई, तो जज हैरान रह गया क्योंकि उस अठारह साल के बालक के चेहरे पर ज़रा भी भय नहीं था; वे मुस्कुरा रहे थे! 11 अगस्त 1908 की सुबह मुज़फ़्फ़रपुर जेल में हाथ में श्रीमद्भगवद्गीता लेकर वे हँसते-हँसते फाँसी के फंदे पर झूल गए। प्यारे बच्चों, खुदीराम बोस की यह अमर शहादत हमें सिखाती है कि देशप्रेम के लिए उम्र नहीं, बल्कि चट्टान जैसा हौसला और निष्ठा चाहिए।

............✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)

📱-9939671700

आज का विचार:

मन में उठने वाले विचारों पर पहरा दीजिए। जब किसी चीज़ के प्रति अंधी ज़िद या गुस्सा उठने लगे, तो वहीं ठहर जाइए; क्योंकि विचार ही बीज हैं जो आगे चलकर आचरण और भविष्य का निर्माण करते हैं।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org